सरकारी स्कूलों में मुफ्त बाँटने के लिए

जम्मू- कश्मीर स्टेट बोर्ड ऑफ स्कूल एजूकेशन,

सरस भारती 1

प्रथम कक्षा के लिये

जम्मू- कश्मीर स्टेट बोर्ड ऑफ स्कूल एजूकेशन,

सरस भारती 1

प्रथम कक्षा के लिये

जम्मू- कश्मीर स्टेट बोर्ड ऑफ स्कूल एजूकेशन,

जम्मू

प्राक्कथन

प्रथम कक्षा के पाठ्यक्रमीय स्तर को ध्यान में रखते हुए '' सरस भारती'' नामक पुस्तक को पुनः शोधित रूप में प्रस्तुत किया जा रहा है जिसमें पुस्तक के आकार को अपेक्षाकृत बढ़ाया गया है तथा छात्रों को अक्षर ज्ञान के अतिरिक्त सृजनात्मकता की ओर विकासोन्मुख किया गया है। पुस्तक का निर्माण छात्रों के बौद्धिक स्तर को ध्यान में रखकर किया गया है। जबकि पहले केवल बच्चे के व्यावहारिक ज्ञान को विकसित करने की ओर ही विशेष ध्यान दिया जाता था। परन्तु अब बोल-चाल के व्यवहार में प्रयुक्त होने वाले भाषा विज्ञान के प्राकृतिक नियमों को भी ध्यान में रखा गया है। पुस्तक में छात्रों के उच्चारण पर विशेष बल दिया गया है। जिससे छात्र संज्ञात्मक शब्दावली में प्रयुक्त ध्वनियों को पुनरावृत्ति द्वारा पूर्णतया परिचित होता चला जाएगा। इसके अतिरिक्त पुस्तक में चित्रों के माध्यम से छात्र अपने परिवेश से भलीभांति परिचित तो होगा ही साथ ही साथ उन चित्रों की सहायता से उनके लिये प्रयुक्त उचित शब्दावली को सरलता से ग्रहण करता चला जाएगा। इस पद्धति पर चलता हुआ बच्चा जाने -अनजाने व्यावहारिक ज्ञान को भी ग्रहण करता चला जाएगा। शिक्षकों से अनुरोध है कि वे पुनः शोधित ''अध्यापन संकेतों'' की ओर विशेष ध्यान दें तथा उनसे भली भांति परिचत हो जाएं । ये अध्यापन संकेत पुस्तक के प्रारम्भ में दिए गए हैं। यदि कोई बात स्पष्ट न हो तो भाषा विशेषज्ञों से सम्पर्क करके ही बच्चों को पढाएँ ताकि कहीं अनुचित बात न सम्प्रेषित हो जाए।

डॉ. बशीर अहमद शेख
शैक्षिक अधिकारी
जम्मू व कश्मीर बोर्ड ऑफ स्कूल ऐजुकेशन

आभार

हम निम्नलिखित विद्वानों के प्रति आभार प्रदर्शित करते है। जिन्होंने प्रस्तुत–पुस्तक निर्माण में विशेष सहयोग दिया –

1. दुर्गा प्रसाद दत्ता
   प्रिंसीपल हायर सैंकडरी स्कूल
   मुट्ठी (जम्मू)

2. श्री केवल कृष्ण शर्मा, प्राध्यापक
   हायर सैंकडरी स्कूल मुवारख मंडी

3. कुमारी रीटा चाड़क प्राध्यापक
   हायर सैंकडरी स्कूल, सरवाल
   (जम्मू)

4. संजीवनी, प्राध्यापक
   हायर सैंकडरी स्कूल,
   शास्त्री नगर,(जम्मू)

5. डॉ. बसीलाल शर्मा
   शैक्षिक पदाधिकारी,
   जे. डी.

6. डॉ. यासिर हमीद सिरवाल
   शैक्षिक पदाघिकारी,
   जे. डी.

7. श्री प्रदीप कुमार
   शैक्षिक पदाघिकारी,
   जे. डी.

अध्यापकों के लिए संकेत

' सरस भारती ' जम्मू-कश्मीर के उन अध्येताओं को ध्यान में रखकर तैयार की गई है जिनकी मातृभाषा प्राय: हिन्दी नहीं है। ये छात्र हिन्दी का अधिगम भाषा के रूप में करते हैं। कहना न होगा कि भाषा शिक्षण बहुत ही सावधानी तथा उत्तरदायित्वपूर्ण ढंग से करना पड़ता है। प्रस्तुत पुस्तक इस उद्देश्य से तैयार की गई है ताकि शिशु को देवनागरी लिपी में हिन्दी भाषा के विभिन्न कौशलों का साथ-साथ विकास हो सके। पुस्तक पढ़ाने के लिए यह वांछित है कि अध्यापक महोदय निम्नलिखित अध्यापन-संकेतों की ओर विशेष ध्यान दें -

पहला पाठ

अध्यापन संकेत पाठ में चित्रों के द्वारा अध्येताओं को शब्द-रूपों से अवगत करना है तथा उनकी सहायता से वांछित ध्वनियों पर विशेष बल देकर उन्हें सिखाना है: जैसे बकरी से ब, सपेरा से स आदि।

तीसरा पाठ

अध्यापन संकेत पाठ में अध्येता जहाँ ज, ग आदि ध्वनियों तथा उनकी आकृतियों से परिचित हो जाएगा, वहाँ वह यह भी जान सकेगा कि शब्द-रूपों में उनका वितरण (Distribution) कहाँ-कहाँ होता है: जैसे / ग / ध्वनि का वितरण,शब्द- रूप का आदि (गाय), मध्य (गगन) तथा अंत (दिमाग) में होता है। इसके अतिरिक्त बच्चे को यह भी समझाएँ कि नासिक्य व्यंजन ङ्., ञ्, ण्, तथा उतिरिक्त व्यंजन ड़्., ढ़् का अस्तित्व शब्दों की आदि स्थिति में कहीं नहीं मिलता।

सातवाँ पाठ

अध्यापक संकेत पाठ में इस बात पर बल दिया गया है कि अध्येता आ स्वर का अधिगम करने के साथ-साथ उनकी मात्रा (T) से भी परिचित हो जाए। परन्तु ह्रस्व''अ'' की लिये कोई भी चिह्न प्रयुक्त नहीं किया जाता क्योंकि ह्रस्व ''अ'' की मात्रा प्रत्येक व्यंजन में पहले से ही विध्यमान हाती है क्योंकि इसके बिना व्यंजन का उच्चारण संभव नहीं।

आठवाँ पाठ

अध्यापक संकेत पाठ मे इस बात पर बल है कि अध्येता कई शब्दों का प्रयोग सरल वाक्यों में करना सीखे।

ग्यारहवाँ पाठ

अध्यापन संकेत पाठ में / इ / और / ई / जैसी स्वर-ध्वनियों के अंतर को दिखाया गया है। ध्वन्यात्मक तथा लेखन दोनों दोनों दृष्टियों से इनमें काफी समानता है किन्तु इनमें व्यतिरेक पाया जाता है**:** जैसे-मिल। शिक्षक को इस बात पर बल देना है कि /इ /और / ई / एक-दूसरे के पूरक नहीं हो सकते हैं। यही बात ऐसी ही अन्य ध्वनियों के बारे में कही जा सकती है तथा स्वर ध्वनियों के लिये बारे में कही जा सकती है तथा स्वर ध्वनियों के लिये चिह्न / इस प्रकार हैं **:**-

आ = (ा), इ = (ि), ई = (ी), उ = (ु), ऊ = (ू),

ए =(े), ऐ = (ै) ओ = (ो),औ = (ौ)

तेरहवाँ पाठ

अध्यापन संकेत

देख गया है कि आम तौर पर लोग / ड़ / तथा / ड / का अंतर नहीं कर पाते तथा एक जैसी ध्वनि समझ कर उसके प्रयोग में मनमानी करते हैं। जबकि ये दोनों पूर्णतया स्वतंत्र स्वनिम हैं। इसी प्रकार / ढ / तथा / ढ़ / भी स्वतंत्र स्वनिम हैं। छात्र तथा छात्राओं को इनके प्रयोग के बारे में अवगत कराना होगा।

पहला पाठ

बस

बस

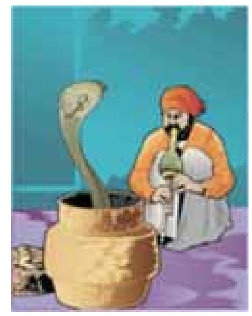

सपेरा

बकरी

बन्दर

संतरा

पढ़ें :–

ब	स	स	ब

1. नीचे लिखे शब्दों में ''ब'' वर्ण के नीचे रेखा खींचें :-

बस, सेब, बन्दर, बकरी, सब, किताब, दरबार, अकबर

2. नीचे लिखे शब्दों में ''स'' वर्ण के नीचे रेखा खींचें :-

सब, सहेली, तीसरा, महासागर, डसना,

साहस, समान, अवसर, परिहास, ओस

3. नीचे लिखे शब्दों को पढ़ें. :-

बस, सब, सस, बब

दूसरा पाठ

नल

नल

नहर

लकड़हारा

पढ़ें :-

न	ल	न	ल
न	ल	न	ल

1. नीचे लिखे शब्दों में ''न'' वर्ण के नीचे रेखा खींचें :-

नटखट, बदन, कनक, नयन, नगर,

गगन, मकान, मानव, अनल

2. नीचे लिखे शब्दों में ''ल'' वर्ण के नीचे रेखा खींचें :-

लगान, तलवार, हल, लकड़ी,

लड़का, बाल, लता, कलम,

बालक, जाल, पालक, लाल

3. नीचे लिखे शब्दों को पढ़ें :-

बस, नल, बस, सब, बन,

बसन, नसल, सबल

निम्नलिखित आकृतियों में कुछ वर्ण दिए हुए हैं। इनमें प्रयुक्त

वर्णों को अन्य आकृतियों में ढूंढें :-

बल	ब	नल
ब	बस	स
ल	बन	न
नस	स	सब

अभ्यास –

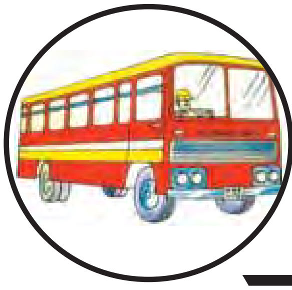
ब

न

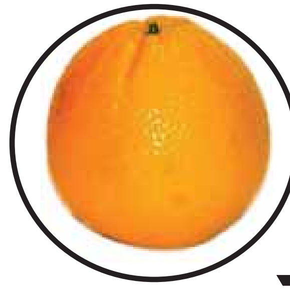
स

ब

स

ल

न

ल

न

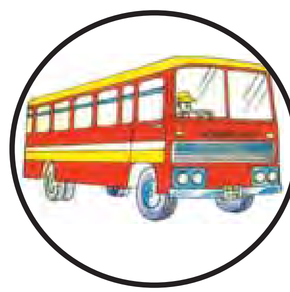
ब

पढ़ें – बल, सब, सल, बसन

सबल, सलल

नोट– पाठ में सार्थक शब्दों के साथ निरर्थक शब्दों को केवल ध्वनि के उचित अभ्यास के लिए ही रखा गया है।

तीसरा पाठ

जग

जग

गमला

जहाज़

जड़

गाजर

पढ़ें :-

ज	ग	ग	ज
न	ल	ब	स

1. नीचे लिखे शब्दों में ''ज'' वर्ण के नीचे रेखा खींचें :-

नीरज, काजल, भजन, जानवर, पकंज

आज, रजत, जनक, जातक

2. नीचे लिखे शब्दों में ''ग'' वर्ण के नीचे रेखा खींचें :-

गाय, गगन, गधा, जगत,

रगड़, राग, दिमाग, बाग

3. नीचे लिखे शब्दों को पढ़ें :-

जग, गज, बज, जज

जगन, बसन, गगन, नगन

चौथा पाठ

पर

परी

पर

रथ

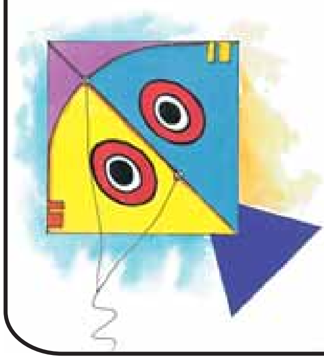

रस्सी

पतंग

पढ़ें :-

प	र	र	प

रज पग लस बल नस

1. नीचे लिखे शब्दों में "प" वर्ण के नीचे रेखा खींचें :-

पलक, पाप, नापना, पापड़,

जाप, पालना, लपक, जीप

2. नीचे लिखे शब्दों में "र" वर्ण के नीचे रेखा खींचें :-

तार, अनार, अदरक, रखवाला,

चरखा, अमर, अजगर, रमन, तार

3. पढ़ें :-

पर, रप, पप, गज, पग,

गरज, गजर, जजर

अभ्यास –

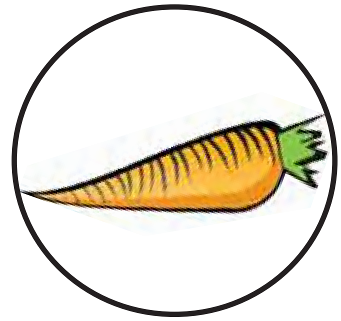

जग पर गाजर

गमला रथ परी

जेब पैर जहाज़

रस्सी

निम्नलिखित आकृतियों में कुछ वर्ण दिए हुए हैं। इनमें प्रयुक्त वर्णों को अन्य आकृतियों में ढूंढें :-

सरल स जलज

ज ब ज

र स ग

सबल ल गरज

पढ़ें – गज, पग, रज, जग, सरल, सर, जन, रस, पल, सरस, जलन, जलज, गरज, सजग

पाँचवाँ पाठ

कलम

कलम

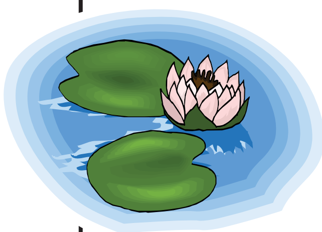

कमल

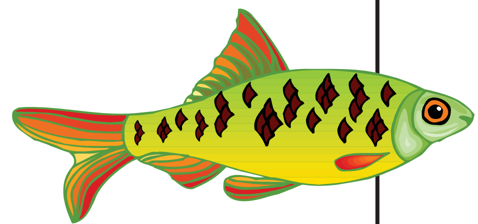

मछली

कबूतर

मटका

पढ़ें :-

क	ल	म	म	क	ल

ग	न	प	ब	र	ल	स

गज, सरल, परस, बसन

1. नीचे लिखे शब्दों में "क" वर्ण के नीचे रेखा खींचें :-

कल,	अकरम,	पटक,	कसरत,	पलक,	कनक
मटक,	चकला,	झलक,	कसक,	अकल,	कमला

2. नीचे लिखे शब्दों में "म" वर्ण के नीचे रेखा खींचें :-

मटर,	रमन,	काम,	चमचम,	मग,
नाम,	कामना,	दमक,	मदन	

3. पढ़ें :-

मल,	जप,	जल,	कमर,	मगर,	गरम,
गजक,	कसक,	पल-पल,	बक-बक,	मल-मल	
मसलन					

छठा पाठ

अचकन

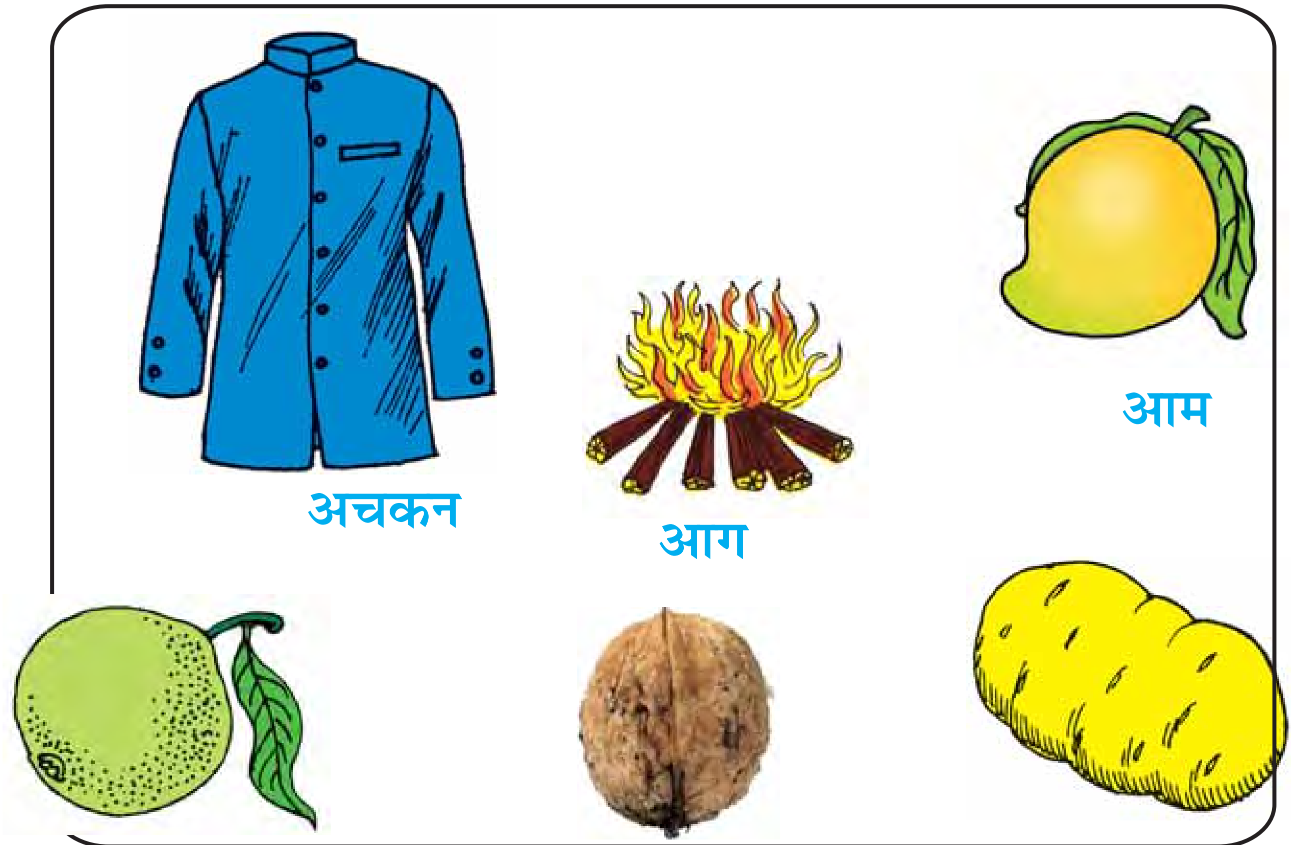

पढ़ें :-

अ	आ	आ	अ

गजक, मसलन, परबस, कसक

1. नीचे लिखे शब्दों में '' अ '' वर्ण के नीचे रेखा खींचें :-

अब, अज, अजगर, अमर,

अकबर, अदरक, अटकल, अकड़,

2. नीचे लिखे शब्दों में '' आ '' वर्ण के नीचे रेखा खींचें :-

आज, आस, आनंद, आकाश,

आग, आय, आचार, आपस, आमला

3. पढ़ें :-

कम, पग, कब, बर, असर, अगर,

अनल, अमर, आप, आज,

आन, आग, जनक, मसल,

जलन, कमर, बदन, कमल

सातवाँ पाठ

आम

आम

नाग

राजा

माला

पढ़ें :-

आ	ा	ा	आ

जनक	पग	बर	मसल

1. **नीचे लिखे शब्दों में ''आ'' की मात्रा (ा) के नीचे रेखा खींचें :-**

राजा, जाग, काला, बाजा, कमाल, कमला, जाना, लगाम, कला

पढ़ें :-

(क) जा ग = जाग, पा न = पान

मा न = मान, मा र = मार

बा स = बास

(ख) ग ला = गला, र मा = रमा

प ला = पला, ल जा = लजा

क ला = कला, सा र = सार

(ग) रा जा = राजा, मा मा = मामा

ला ला = लाला, ना ना = नाना

बा बा = बाबा

(घ) कल, कल, काल

मल, माल, माला

जग, जाग, जागा,

जन, जान, जाना,

मन, मान, माना

(च) कान, साग, अनाज

अपना, लगाम, मकान

पालक, बानर, माला

(छ) कल आ कलम ला

कमला गा सलमा जा

(ज) काग़ज, आलस, आन

अनार, पराग, सलाम

आठवाँ पाठ

दवात

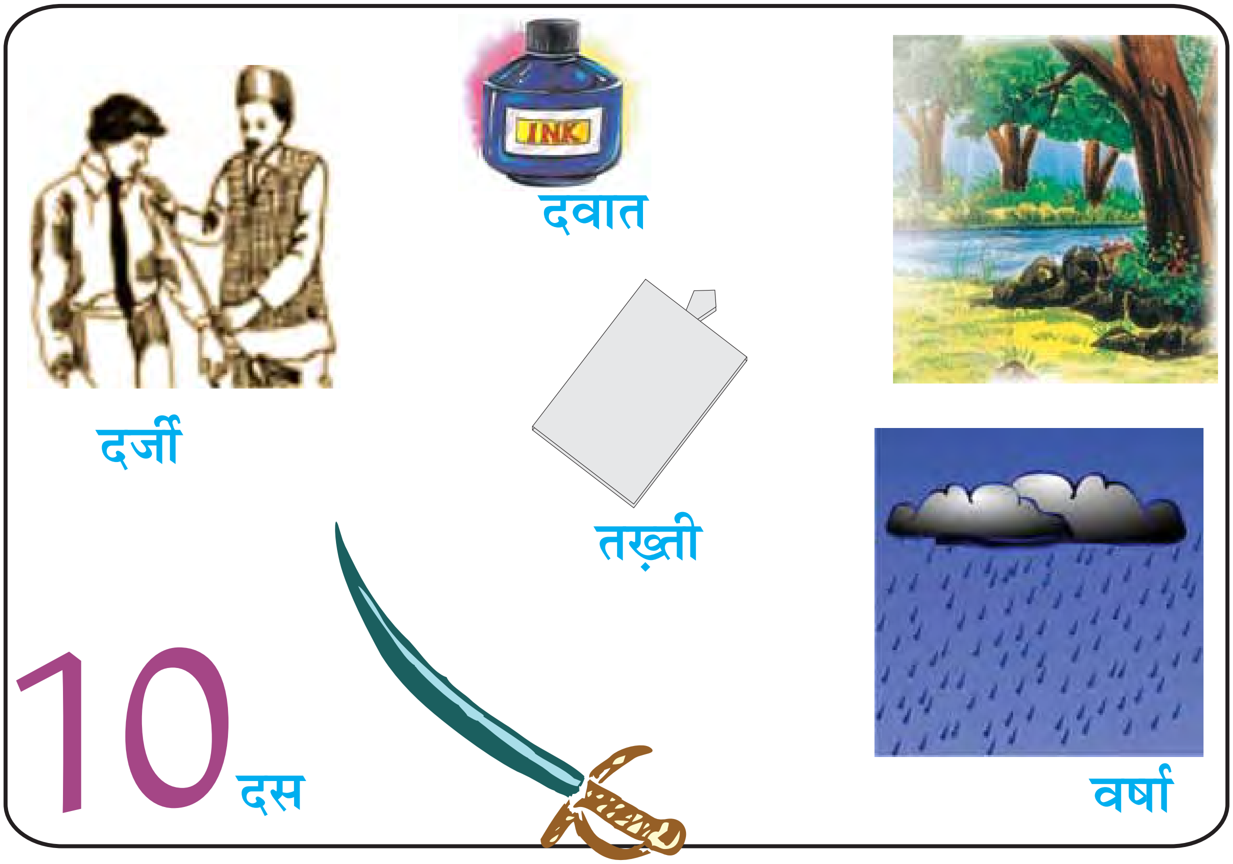

पढ़ें :-

द	व	त	त	व	द

काग़ज़	आलस	आन	अमर

1. नीचे लिखे शब्दों में ''द'' वर्ण के नीचे रेखा खींचें :-

दवाई,	मादक,	गोद,	उदार
आजाद,	मदद,	दाल,	गोद

2. नीचे लिखे शब्दों में ''व'' वर्ण के नीचे रेखा खींचें :-

तारा,	सतसंग,	औरत,	तमाशा,	कतरना,
जीवित,	कसरत,	तीर,	जातक	

3. पढ़ें :-

दाल,	मदद,	आमदन,	वनवास,	वामन,
वन,	नाव,	कातना,	तप,	लात,
पाल,	कनक,	सजल,	वसन,	बारात

हाथ, पकवान, आज, गमला, बाजा

सादा, मदन, दलदल मलमल

गलगल, माता, लता

3. पढ़ें :-

अकबर आ

दवात ला

गमला सजा

मदन जा

बाजा बजा

अभ्यास –

निम्न आकृतियों में कुछ शब्द दिए हुए हैं। इनमें प्रयुक्त वर्णों को अन्य आकृतियों में ढूंढें :–

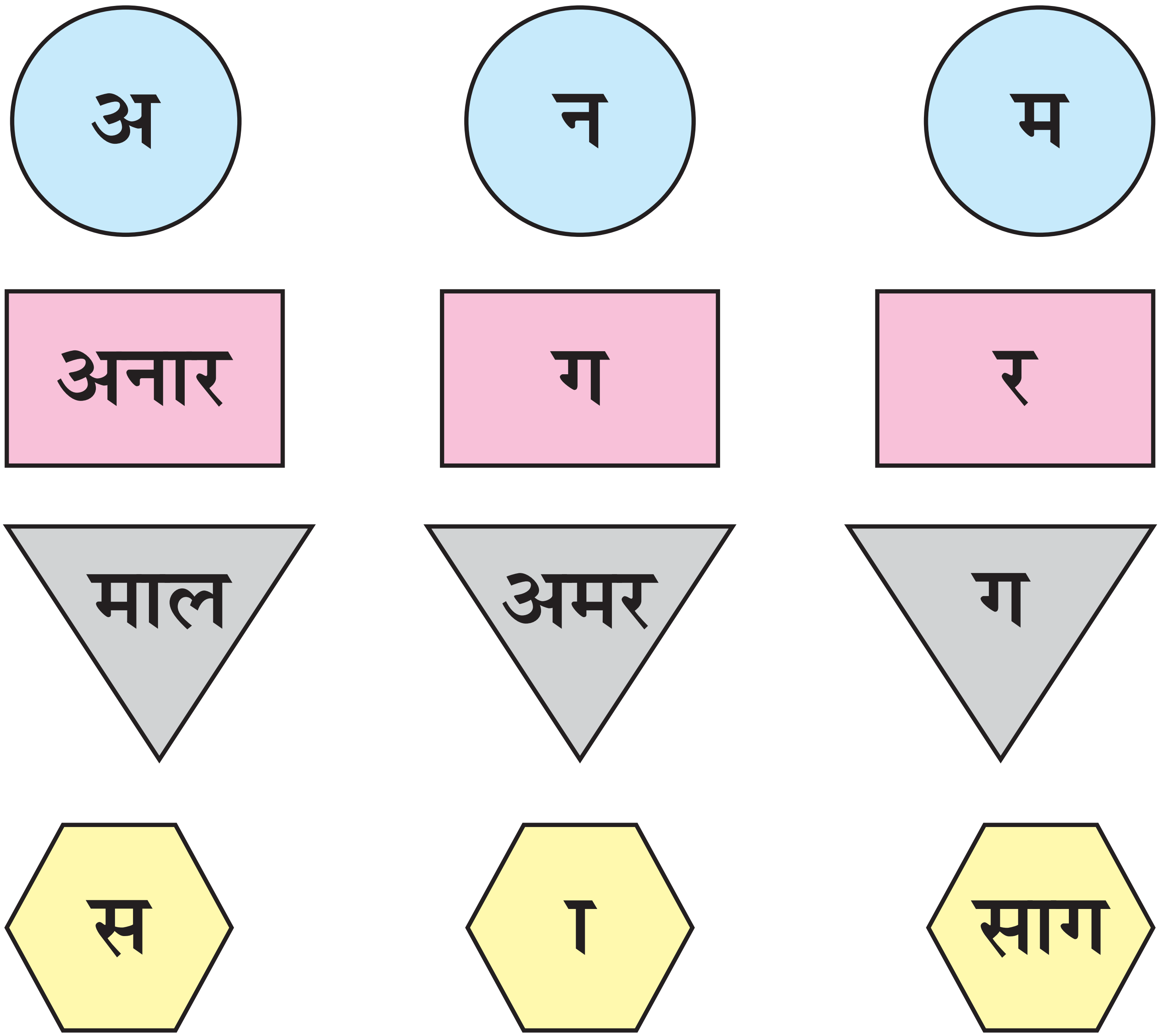

चित्र को देखकर अधूरे शब्दों को पूरा करें :-

माला

दवात

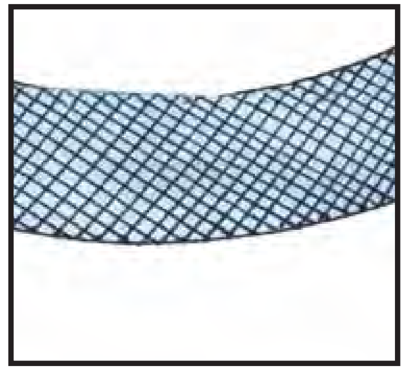

जाल

— नार

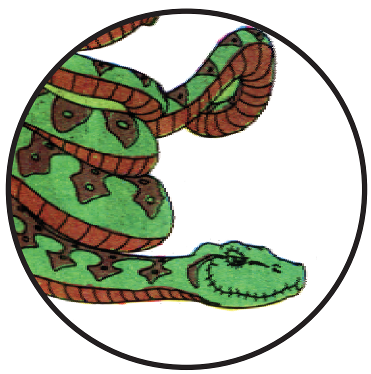

— ज — र

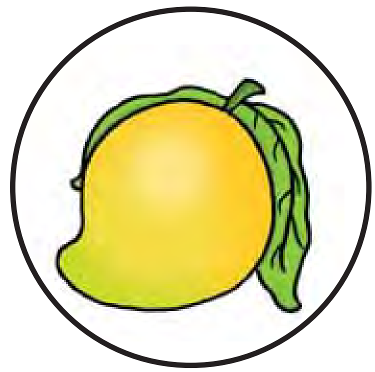

— म

ब — ज —

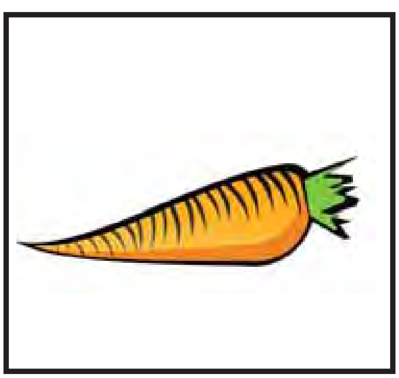

ग — ज —

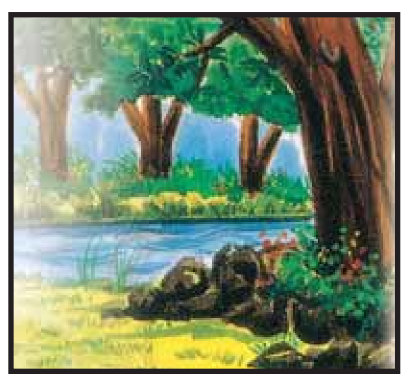

व —

नौवाँ पाठ

पढ़ें :-

ह	थ	थ	ह

कागज़, कनक, सजल, बरगद

बारात, हाथ, पकवान

1. नीचे लिखे शब्दों में "ह" वर्ण के नीचे रेखा खींचें :-

हलवाई, सहयोग, आह, हजार, ढाह,

महक, हजाम, सहमत, वाह

2. नीचे लिखे शब्दों में "थ" वर्ण के नीचे रेखा खींचें :-

थकान, साथ, हाथरस, कथा,

रथ, थपकना, गाथा, थामना, स्थल

3. पढ़ें :-

(क) रथ, थकान, हर, हाथ हलवाहा

नाथ, थान, पहल, जलथल लपक

महल, गमला, बरतन, जनपथ, अवसाद

(ख) बाला, नाथ, पहन।

नहर पर जा ।

पवन, पहलवान बन ।

अभ्यास -

निम्न आकृतियों में कुछ शब्द दिए हुए हैं। इनमें प्रयुक्त वर्णों को अन्य आकृतियों में ढूंढें :-

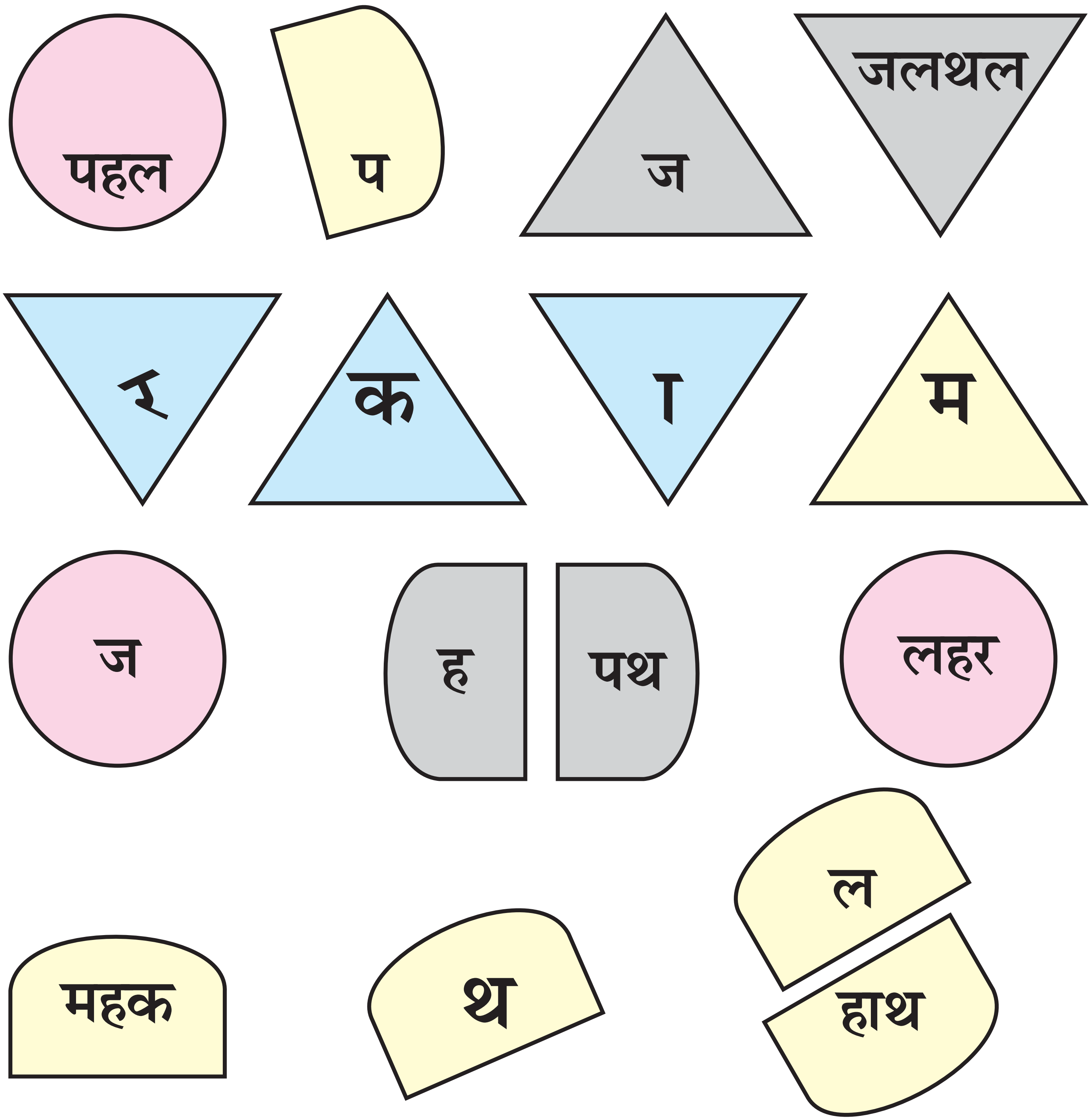

दसवाँ पाठ

इमली

ईसा

खरगोश

इमरती

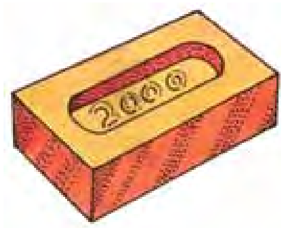

ईंट

खरबूजा

इलायची

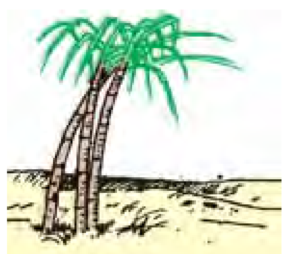

ईख

खम्बा

पढ़ें :-

इ	ई	ख	ख	ई	इ

लपक, महल, गमला, बरतन, जनपथ, अवसाद

1. नीचे लिखे शब्दों में "इ" वर्ण के नीचे रेखा खींचें :-

इतवार, जाइए, इकलौता, इकतारा

समझाइए, मिठाईया, रसोइया, इमारत, इक्का

2. नीचे लिखे शब्दों में "ई" वर्ण के नीचे रेखा खींचें :-

ईमान, मिठाई, सिलाई, ईंधन

चटाई, मई, ईद, गई, रईस

3. नीचे लिखे शब्दों में "ख" वर्ण के नीचे रेखा खींचें :-

खटपट, अखरोट, परख, खचरा,

चरखा, मलमल, राख, डाकखाना, खपरैल

4. पढ़ें :-

(क) इतवार, साईंस, ईसा, इक़्वाल, ईख

खग, माखन, इन, दवाई, परख

इस, खपत, जलद, थाल, सहन

इकतारा, इनाम, ईख, रखवाला,

अखबार, खाद, खनक, खाल, जवाब,

अकबर, ईमान, किसान, आदम, गागर

रहमान मलाई खा ।

खाद लाकर रख ।

इकबाल का मान कर ।

माला काम कर ।

सदा भलाई कर ।

ग्यारहवाँ पाठ

पढ़ें :-

ि	ी	ि	ी

खपत, जलद, थाल, सहन,

जवान, ईमान, किसान

1. नीचे लिखे शब्दों में "ि" वर्ण के नीचे रेखा खींचें :-

सितार, पति, मिलन, सलिल, किरण

सरिता, किताब, अविरल, कवि

2. नीचे लिखे शब्दों में "ी" वर्ण के नीचे रेखा खींचें :-

सीधा, विपरती, लड़की, जीवन, बकरी,

कमीना, पतीला, तितली, बिजली

3. पढ़ें :-

(क) पपीता, मिलन, नीरज, रसिक, गिलहरी,

सलिल, पीली, पानी, नीति, ईद,

आलसी,

(ख) मिल - मील

दिन - दीन

पिता - पीता

पिला - पीला

(ख) सीता सितार बजा।

रजनी गिर गई

मालती इमली खाती थी।

मालती गा रही थी।

बारहवाँ पाठ

चटाई

चटाई

टमाटर

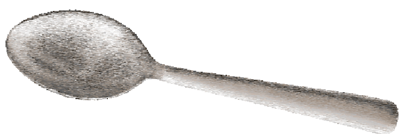

चमच

टब

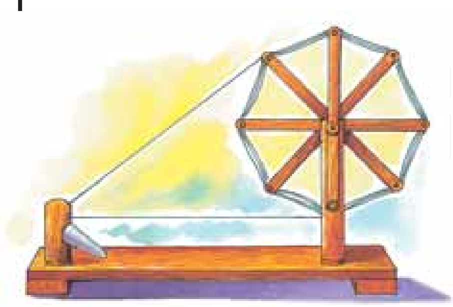

चरखा

टाँगा

पढ़ें :-

च	ट	ट	च

ईद, हार, कलम, पवन, अचरज,

टखना, आलसी, बरसात, चटपटा

1. नीचे लिखे शब्दों में "च" वर्ण के नीचे रेखा खींचें :-

चल, आचमन, सच, चटनी, अचकन,

अपच, चरण, कचरा, काँच

2. नीचे लिखे शब्दों में "ट" वर्ण के नीचे रेखा खींचें :-

टमाटर, अटकल, नटखट, टहनी, टाट,

टमटम, खटपट, वट, पनघट

3. पढ़ें :-

(क) अचकन, चमक, मटर, रचना, जाट, लालच,

खग, आब, बटन, टाट, टहल, चिटकनी,

(ख) चाचा लाल टमाटर ला।

रीना कटहल काटती थी।

अचकन अलमारी पर रख।

सितारा चमक रहा था।

तेरहवाँ पाठ

चटाई

डफली

घड़ी

डमरू

फल

घड़ा

लड़की

डाकिया

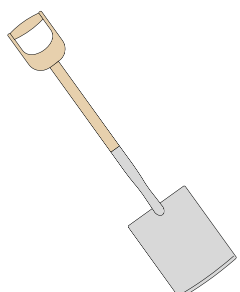

फावड़ा

घर

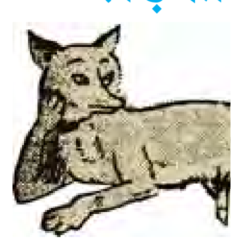

गीदड़

पढ़ें :-

ड	फ	घ	ड	ङ	घ	फ	ड

फसल, चमड़ा, पनघट, दहाई, डफली, जनपथ

1. नीचे लिखे शब्दों में "ड" वर्ण के नीचे रेखा खींचें :-

डकारना, भाँड, डाकिया, ठंडक, दंड,

डर, मंडप, खाँड, डफली

2. नीचे लिखे शब्दों में "फ" वर्ण के नीचे रेखा खींचें :-

फल, सफल, साफ, फसल, डफली,

जिराफ, फनकार, सफर, सराफ

3. नीचे लिखे शब्दों में "घ" वर्ण के नीचे रेखा खींचें :-

घपला, राघव, माघ, घमासान, घाघरा, डाकघर, बाघ, संघ

4. नीचे लिखे शब्दों में "ड़" वर्ण के नीचे रेखा खींचें :-

लड़, उड़ना, पहाड़, लड़का, भीड़,

पकड़ना, भीड़, पापड़, सड़क

5. पढ़ें :-

(क) अज, चख, बात, थाली, घड़ा, लड़का,

पापड़, निड़र, घटना, सफल, आमला, बरगद

फटाफट, टहनी, मलाई, इनाम, डगर, सिरका

(ख) घड़ी दस बजा रही है ।

लड़का फाटक पर था।

नीलम, डर मत ।

अहमद लिफाफा फाड़ता था।

चौदहवाँ पाठ

छड़ी

यात्री

त्र

त्र

छतरी

यज्ञ

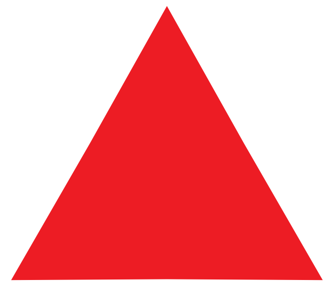

त्रिकोण

छबील

याक

त्रिशूल

पढ़ें :-

छ	य	त्र	त्र	य	छ

सफल, बरगद, आमला, टहनी, पथिक, भलाई,
डगर, इलायची

1. नीचे लिखे शब्दों में "छ" वर्ण के नीचे रेखा खींचें :-

छबील, पिछड़ना, रीछ, छाछ, पूँछ, पछतावा,

छाता, छाछ, स्वच्छ

2. नीचे लिखे शब्दों में "य" वर्ण के नीचे रेखा खींचें :-

यति, नयन, विजय, यज्ञ, विद्यालय,

यम, अभयदान, पराजय, यजमान

3. नीचे लिखे शब्दों में "त्र" वर्ण के नीचे रेखा खींचें :-

त्रय, पत्रकार, चरित्र, त्रयोदशी, चित्रकूट, नेत्र

नियंत्रण, त्रस्त, छत्र

4. पढ़ें :-

(क) पवित्र, चित्रकार, चमक, विलय, छलिया,

रीछ, बछड़ा, छमछम, छाछ, त्रास, विनय,

गबन, जटिल, तड़ाग, खानदान, चित्र, हाली, अपमान

आसरा, फावड़ा, छाया, इकाई ।

यात्री यात्रा पर गया।

छलिया छल कर चला गया।

यह घड़ी विनय की थी।

पन्द्रहवाँ पाठ

ओखली

औरत

ओले

औषध

ॐ
ओम

औज़ार

पढ़ें :–

ओ	औ	औ	ओ

गबन, जटिल, तड़ाग, चित्र, हाली, अपमान
आसरा, फावड़ा, छाया

1. नीचे लिखे शब्दों में '' ओ '' वर्ण के नीचे रेखा खींचें :-

ओखल, खाओ, ओस, भगाओ, बताओ, खाओ,

ओर, ओट, जाओ।

2. नीचे लिखे शब्दों में '' औ '' वर्ण के नीचे रेखा खींचें :-

और, औषध, औरत, औकात, औरस

3. पढ़ें :-

(क) गई, आ, बस, इला, घई, अथाह

औरत, ओज, ओट, ओदन, ओम, औलाद

जाओ, दिखाओ, औकात, डगर, पवन, घातक

फाटक, चरखा, पछतावा, त्रिफला

(ख) रवि, अपनी औकात पहचान।

यह दवाई मत गिराओ।

नानक का चित्र बनाओ।

औरत नदी पर गई।

सोलहवाँ पाठ

टोपी

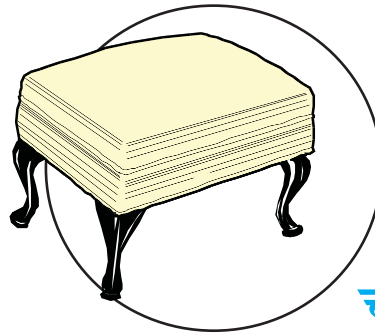

चौकी

तोता

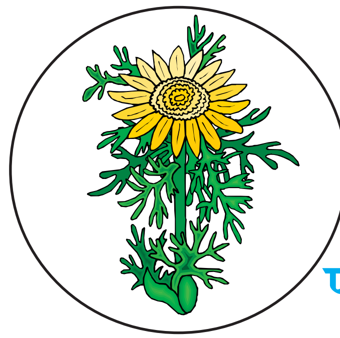

पौधा

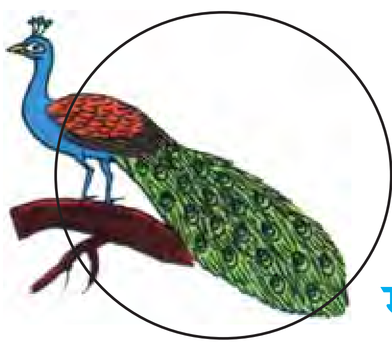

मोर

कौवा

पढ़ें :-

ो	ौ	ो	ौ

आज, डगर, बहस, यवन, घातक, फाटक

पछतावा, कड़छी, त्रिफला

1. नीचे लिखे शब्दों में "ो" वर्ण के नीचे रेखा खींचें :-

मोटी, किशोर, परखो, मोहर, पढ़ो, खोलो
टोकरी, रोटी, ढोलक।

2. नीचे लिखे शब्दों में "ौ" वर्ण के नीचे रेखा खींचें :-

पौधा, पकौड़ी, हाथ, एक सौ, दौड़ना, लौ, जौ, नौ

3. पढ़ें :-

(क) टोपी, कोयल, हथोड़ा, दौड़ना, कमल
घड़ी, चौकी, खोलो, जगत, चरखा, यात्री
चरवाहा, छड़ी, चटाई, फौजी

(ख) ओर-और, लो-लौ, कोन - कौन,
जो - जौ, सो - सौ

(ग) रोगी को दवाई दो।
मोर को मत मारो।
लोटा कौन लाया था।
पकौड़ा कौवा खा गया।

सत्रहवाँ पाठ

ढकना

ढ़

ढ़

ढाल

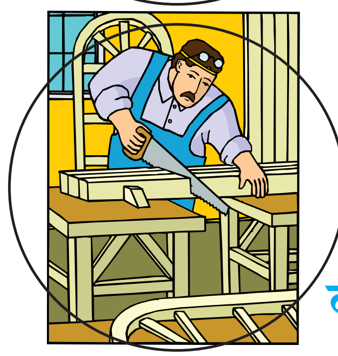

बढ़ई

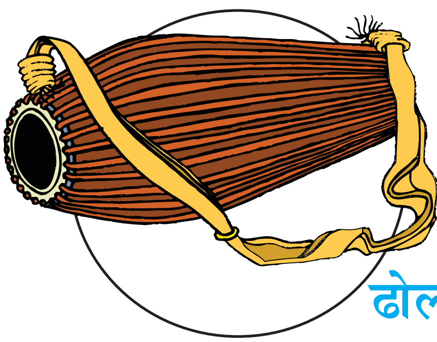

ढोलक

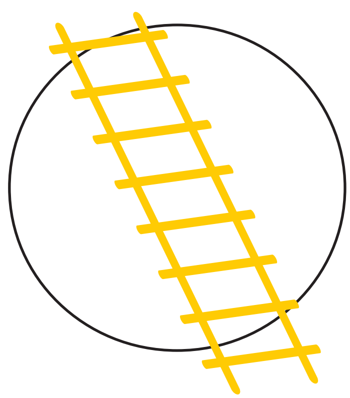

सीढ़ी

पढ़ें :-

ढ	ढ़	ढ़	ढ

जगत, चरखा, कमल, घड़ी, यात्री,

चरवाहा, छड़ी, चर्टा, फौजी

1. नीचे लिखे शब्दों में ''ढ'' वर्ण के नीचे रेखा खींचें :-

ढकना, ढलना, ढाका, ढाँचा, ढाल, बुड्ढा।

2. नीचे लिखे शब्दों में ''ढ़'' वर्ण के नीचे रेखा खींचें :-

चढ़, चढ़ना, पढ़, पढ़ना, बाढ़, रीढ़, पढ़ाई

3. पढ़ें :-

(क)	कड़ी	कढ़ी	डालना	ढालना
	गाड़ी	गाढ़ी	पड़ना	पढ़ना
	डाक	ढाक	बड़ी	बढ़ी
(ख)	ढक	पढ़	मेंढक	बढ़ई
	जोड़	ओढ़	ढकोसला	ढलान
	चिढ़	चिड़िया		

(ग) यात्री पहाडी पर चढ़ रहा था।

रशीदा सीढ़ी पर चढ़ रही थी।

छात्रा पढ़ाई कर रही थी।

पीटर लड़ाई रोक रहा था।

हमारी फौज बढ़ रही थी।

अठारहवाँ पाठ

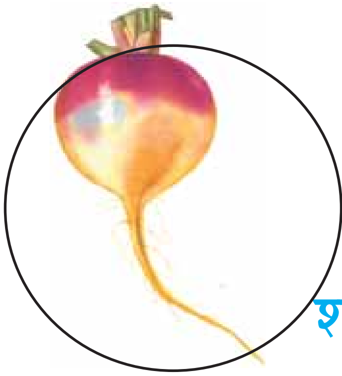

शलगम

ठेला

शहतूत

ठठेरा

शशि

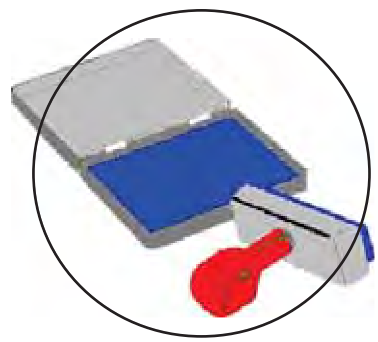

ठप्पा

पढ़ें :-

श	ठ	ठ	श

थपक, अजर, ढाल, छात्र, सरगम, बदन

घघरा, चटपट, परख, आदत, ढकना, डफली

हथकड़ी, यौवन

1. नीचे लिखे शब्दों में ''श'' वर्ण के नीचे रेखा खींचें :-

शहद, अपशकुन, पालिश, शशक, शीशा,
खरगोश, शहर, शरीर, जोश।

2. नीचे लिखे शब्दों में ''ठ'' वर्ण के नीचे रेखा खींचें :-

ठंडा, पाठशाला, ठाठ, ठग, ठिठक, उठ,
ठठेरा, बैठक, झूठ

3. पढ़ें :-

(क) शहद, शरीर, खरगोश, कठिन, पठ,
बीस, नीलम, लबालब, जगत, परी,
पगड़ी, चकला, ढोलक, पौढ़ी, घोड़ा
अमन, आय, अथवा, ओट, घई,
औरत, इत्र, छत्र, फौलाद

(ख) मीरा पाठशाला चली गई।
रीछ सारा शहद खा गया।
पाठक ठिठक कर रह गया।
विशाल शिकार पर चला गया।
ठग ठोकर खाकर बदल गया।

उन्नीसवाँ पाठ

एड़ी

ऐनक

एकतारा

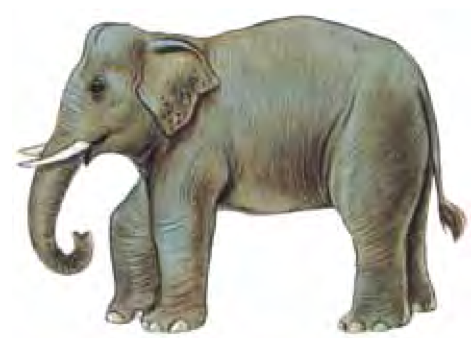

एरावत

पढ़ें :-

ए	ऐ	ऐ	ए

बीस, नीलिमा, लबालब, जगत, परी

पगड़ी, चकला, ढोलक पौढ़ी, घोड़ा

1. नीचे लिखे शब्दों में ''ए'' वर्ण के नीचे रेखा खींचें :-

एतवार, चाहिए, नहाए, एकता, अतएव, एकाएक।

2. नीचे लिखे शब्दों में ''ऐ'' वर्ण के नीचे रेखा खींचें :-

ऐतबार, ऐलान, ऐनक, ऐसे, ऐश

3. पढ़ें :-

(क) एक, एटलस, ऐसा, एकाएक, एकमत,

ऐनक, बहाए, बनाए, सफल,

सीढ़ी, परचम, हथकड़ी, चौखट,

दशरथ, डरो, घर, अनपढ़, छिपकली,

तबला, करार, गाजर, हारवन, इस,

आई, औघड़, शह, ढकना, यात्रा।

(ख) एकमत हो कर रह।

कल एतवार था।

रियासी का ऐतिहासिक किला दिखाओ।

काई बढ़िया एटलस लाओ।

बस एकाएक चल पड़ी।

बीसवाँ पाठ

पेड़

बैल

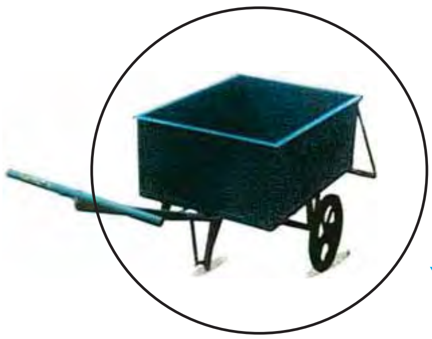

ठेला

थैला

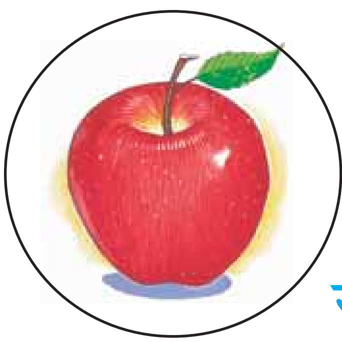

सेब

पैर

पढ़ें :-

े	ै	ै	े

सफल, सीढ़ी, परचम, हथकड़ी, चौखट,
घर, अनपढ़, छिपकली

1. नीचे लिखे शब्दों में " ` " वर्ण के नीचे रेखा खींचें :-

रेत, बेटा, बसेरा, करेला, लड़के, अकेले।

2. नीचे लिखे शब्दों में "ठ" वर्ण के नीचे रेखा खींचें :-

है, चैन, मैदान, मटमैला, सैकड़ा

3. पढ़ें :-

(क) लड़के, अकेले, ममेरा, मेला,
मेला, है, मटमैला

(ख) तेरा तैरा बेल बैल
सेर सैर मेल मैल
बेर बैर हे है

(ग) रमा आठ साल की लड़की है।
वह माता-पिता की इकलौती बेटी है।
तीसरी जमात की छात्रा है।
पढ़ने के लिए पाठशाला जाती है।
मन लगाकर पढ़ती है।
सब का कहना मानती है।
सदा सच बोलती है।

इक्कीवाँ पाठ

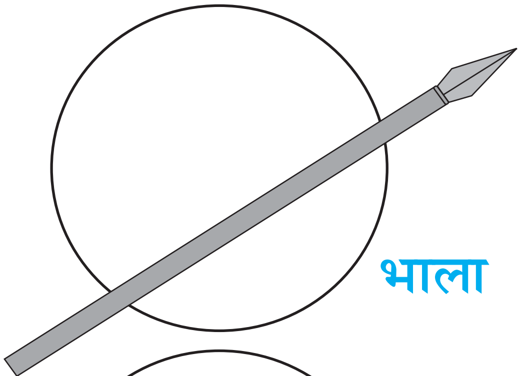

भाला

झरना

भेड़

झाड़ू

भालू

झूला

पढ़ें :-

भ	झ	झ	भ

तवा, चरखा, पपीता, ढलान, जेहलम, फैशन
बैठक, घमासान, थैली, डोली, पनघट, यजमान, औरत

1. नीचे लिखे शब्दों में ''भ'' वर्ण के नीचे रेखा खींचें :-

भगत, अभिलाषा, नभ, भयानक, सुभाष, संभव,
भयभीत, अनुभव, शुभ।

2. नीचे लिखे शब्दों में ''झ'' वर्ण के नीचे रेखा खींचें :-

झगड़ना, मझधार, झण्डा, झड़प, झांझर, मांझा,

झपटना, बांझ, सूझबूझ, झंझट।

3. पढ़ें :-

(क) भव, भावी, अभय, भगवान, झपट, नभ, झिझक,

खरल, रहट, झड़प, बछड़ा, झलक, बरगद,

सचित्र, भरसक, भयानक, डसना, भेडिया,

पोखर, लिहाफ, गठरी, घेरा, जेलर, घातक,

थैला, जमघट, ढाह, ओढ़ना, आइए, ईश

अशरफ, ऐसे, त्रेता, मौन, औसत।

(ख) आभा हमीदा की सहेली है।

वह बड़ी समझदार है।

अपनी भाभी के पास रहती है।

हमीदा का भाई वकालत करता है।

वह बड़ा ईमानदार आदमी है।

बाईसवाँ पाठ

अगूर

झंडा

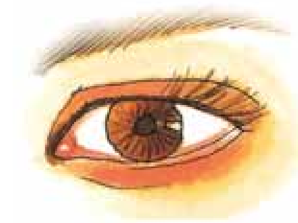

आँख

अंगूठा

बंदर

दाँत

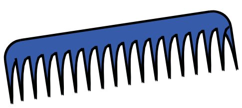

कंघा

अंडा

ऊँट

पढ़ें :–

अं	ं	ँ	अं	ं	ँ

सरल, रहट, झडप, बछड़ा, झलक, बरगद

सचित्र, भरसक, भयानक, डसना, भेडिया, पोखर,

लिहाफ, गठरी, घेरा, जेलर, थैला, जमघट

1. नीचे लिखे शब्दों में ''अ'' वर्ण के नीचे रेखा खींचें :-

अंगूर, अंडा, अंक, अंजन, अंगीठी, अंगड़ाई

2. नीचे लिखे शब्दों में ''झ'' वर्ण के नीचे रेखा खींचें :-

झंडा, भेट, नारंगी, कही, भैंस, भौंकना

3. नीचे लिखे शब्दों में जिन वर्णों के साथ (ँ) का प्रयोग हुआ है उनके नीचे रेखा खींचे :-

चाँद, साँस, वहाँ, मिठाइयाँ, चाहूँगा, गेहूँ

4. पढ़ें :-

(क) गाँव, माँ, इकाइयाँ, ईंट, कंगन, इंजन, भौंकना

झांझर, आँख, अंडा, मंजन, दंगल, अंजीर

(ख) तिरंगा झंडा लहरा रहा है।

मंदिर की घंटियाँ बज रही है।

संजय साईन्स में बढ़िया अंक ले रहा है।

मंगलवार को दोनों बहनें आ रही है।

पिकीं माँ के लिए दवाइयाँ ला रही है।

तेईसवाँ पाठ

उल्लू

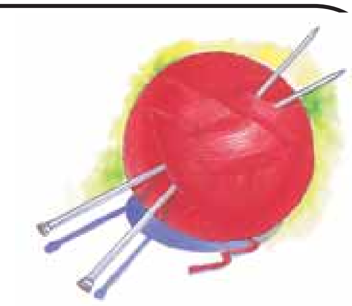

ऊन

उड़नपरी

पढ़ें :-

उ	ऊ	ऊ	उ

कंगन, रंजक, संताप, चंचल, भोजन

माँ, दवाइयाँ, चाँद, डंडा

1. नीचे लिखे शब्दों में ''उ'' वर्ण के नीचे रेखा खींचें :-

उखड़ना, उजड़ना, उजागर, उगना, उतरना, उंगलियाँ

2. नीचे लिखे शब्दों में ''ऊ'' वर्ण के नीचे रेखा खींचें :-

ऊषा, ऊन, ऊद बिलाव, पकाऊँगा, ऊपर, लगाऊँ।

3. पढ़ें :-

(क) ऊँट, ऊपर, ऊसर, उगलना, उभारना, बदन,
रसिक, सहित, शयन, पिछड़ा, ढाँपना, घोटाला
औलाद, अहंकार, एतवार, हलवाई, चढ़ाई, मजीठा,
ऐसा, चैत्र, फौजी, आओ, इडली

(ख) मैं कल शहर जाऊँगा।
वहां से ऊनी कपड़े लाऊँगा।
आप के लिए मिठाईयाँ लाऊँगा।
मिठाइयाँ लड़कियों में भी बाँटेंगे।
लड़कियां मिठाइयाँ खाएँगी।

चौबीसवाँ पाठ

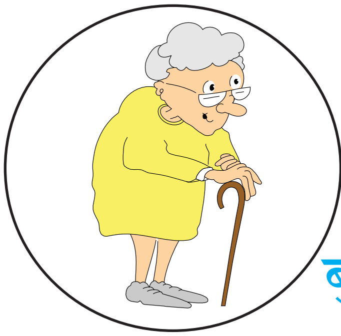
बुढ़िया

बूढ़ा

गुड़िया

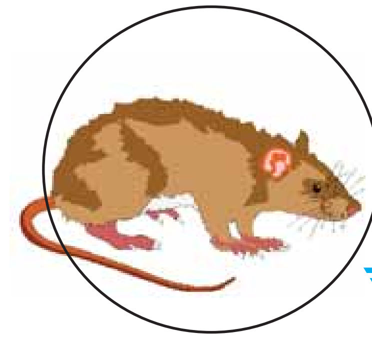
चूहा

कुरता

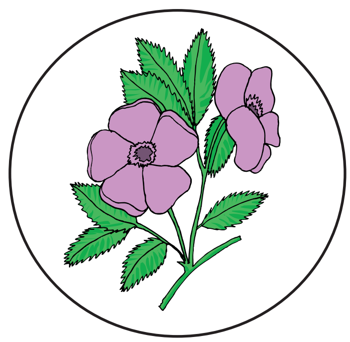
फूल

पढ़ें :-

ु	ू	ू	ु

ऊँट, उपला, उगलना, उपवन,

कथन, साहिब, शयन, ढाँपना, खंगारना

1. नीचे लिखे शब्दों में जिन वर्णों के साथ " ु " मात्रा का प्रयोग हुआ है। उनके नीचे रेखा खींचें :-

पुल, बहुत, जलवायु, डुगडुगी, शिशु, बहादुर

2. नीचे लिखे शब्दों में जिन वर्णों के साथ " ू " मात्रा का प्रयोग हुआ है। उनके नीचे रेखा खींचें :-

फूल, सपूत, आलू, भूमि, राजपूत, बबूल, यमदूत, बाबू, सूरज, पूछना, पूनम।

3. पढ़ें :-

(क) गुलाब, बहुत, असुर, कुशल, त्रिशूल, झींगुर,

अनुभव, झुंझलाहट, भूमि, सुरंग, गुड़िया, बूढ़िया

चूहा, डुगडुगी, अयुब।

(ख) सुर सूर झुला झूला

कुल कूल लुटा लूटा

झुला झूला

(ग) सुरबाला उपवन में बैठी है।

कानपुर में मेरी बहन रहती है।

लड़की झूला झूल रही है।

फूल तोड़ना मना है।

गाड़ी पुल के ऊपर से जा रही है।

फल चुरा कर खाना बुरी बात है।

पच्चीसवाँ पाठ

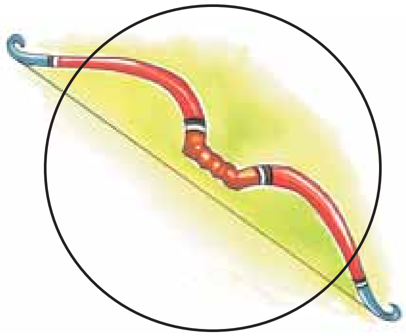

धनुष

षट्कोण

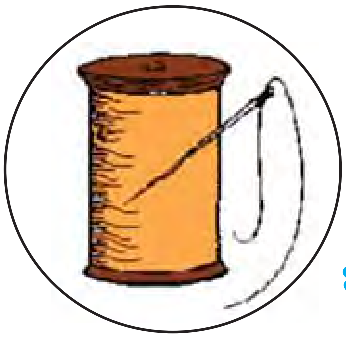

धागा

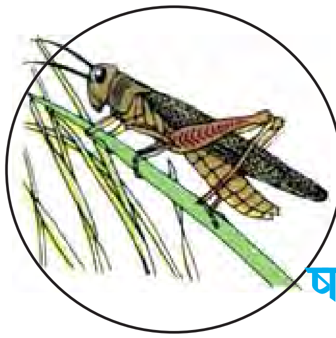

षटपद

धान

षडानन

पढ़ें :-

ध	ष	ष	ध

सफर, बादल, तिरंगा, मथना, यौवन

1. नीचे लिखे शब्दों में ''ध'' वर्ण के नीचे रेखा खींचें :-

धरातल, साधना, विरोध, उधर, धधकना,

दूध, धरा, भूधर, सीधा।

2. नीचे लिखे शब्दों में ''ष'' वर्ण के नीचे रेखा खींचें :-

षटकोण, सुषमा, घोष, षट, शेष, विषय,

संतोष, आशुतोष, घोषणा।

3. पढ़ें :-

(क) अधर, सीधा, घोष, दोष, सुविधा, भाषा,

ऊषा, सावधान, षट, धमाका, अभिलाषा,

बोध, पौधा, कोष, एक, ऐनक, ओर, और,

जूझना, ढीठ, खपरैल, तड़ाग, आशय, हथकंडा

अंक, ऊपर, अंगडाई, दाढ़ी, उफान

(ख) धनुषधारी धीरे-धीरे आया।

सुषमा पौधों को सींच रही है।

सिंह इधर-उधर घूम रहा है।

भगवान शंकर को आशुतोष भी कहते है।

ऊषा की भाषा में दोष कम है।

धरती को वसुधा भी कहते है।

छब्बीसवाँ पाठ

ऋषि

क्षत्रिय

बाण

ज्ञानी

क्ष ऋ ज्ञ ण

पढ़ें :-

क्ष	ज्ञ	ऋ	ण	ज्ञ	ण	ृ	क्ष	ऋ

रसायन, पुलकित, झींगुर, रचना,

धड़कन, शिमला, धनुष, षट्‌दल

1. नीचे लिखे शब्दों में "क्ष" वर्ण के नीचे रेखा खींचें :-

क्षण, यक्ष, रक्षक, भक्षण, क्षणिक,

वृक्ष, शिक्षक, क्षमा

2. नीचे लिखे शब्दों में "ज्ञ" वर्ण के नीचे रेखा खींचें :-

ज्ञान, विज्ञान, विज्ञ, ज्ञानवान, आज्ञा, यज्ञशाला

3. नीचे लिखे शब्दों में "ण" वर्ण के नीचे रेखा खींचें :-

रामायण, वाण, शिक्षण, कारण, जागरण, शरण।

4. नीचे लिखे शब्दों में "ऋ" वर्ण तथा जिन वर्णों के साथ ऋ की मात्रा (ृ) लगी है उनके रेखा खींचें :-

ऋण, ऋणी, ऋतुराज, कृपा, वृषभ, मृग, पृथा, पृथक।

5. पढ़ें :-

(क) कक्ष, विज्ञान, रामायण, शिक्षण, कृतज्ञ,

कारण, कृपा, वृषभ, क्षणिक, ऋण, वृक्ष,

बाण, मृग, ज्ञान, कारण, रक्षक, यज्ञ, आज्ञा, शरण।

(ख) राम जी ने धनुष तोड़ा।

ज्ञानी जी ने ज्ञान की बात कही।

क्षत्रिय लोग रणक्षेत्र में जाते हैं।

बसंत को ऋतुराज कहते हैं।

हम बड़ों की आज्ञा का पालन करते हैं।

हम सभी पर भगवान की कृपा है।